संख्या १

सत्यमेव जयते

विधान सभा वादवृत्त

बिहार सरकारी रिपोर्ट

तिथि १२ मई, १९५२।

सोम

No. 1.

The

Bihar Le slative Assembly ebates

Of al Report

he 12th May, 1952.

Mon

राजकीय मुद्रणालय, बिहार,
पटना।
१९५३।

(ग) क्या यह बात सही है कि उक्त ग्राम के निवासियों ने प्रार्थना की है कि जितने रुपये की मिट्टी पास हुई है उतने रुपये की मिट्टी नहीं दी गई है ;

(घ) क्या सरकार इस विषय की उपयुक्त जांच किसी उच्च अधिकारी या सब-डिवीजनल आफिसर द्वारा करायेगी ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय—(क) और (ख) उत्तर 'हां' है ।

(ग) उत्तर 'ना' है । बात ऐसी है कि कई व्यक्तियों ने, जिन में रामवृक्ष राय और नथुनी सिंह और दूसरे लोग भी शामिल हैं, ९ अप्रैल १९५२ को एस० डी० ओ० के यहां दरखास्त दी थी जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि हेडमैन मनमाना काम कर रहे हैं । और किसी पंच की बात नहीं सुनते हैं और दूसरे लोगों ने यह शिकायत की थी कि इस बांध से और लोगों को कोई फायदा नहीं पहुंचेगा । एस० डी० ओ० सदर ने इस बात की जांच कराई । सर्किल ऑफिसर ने इसका फाइनल मेजरमेंट २३ मई १९५२ को किया और जो शिकायत थी उसकी जांच हुई जिसका नतीजा यह निकला कि हेडमैन ने, जिस तरह स्कीम बनायी थी, उसी के मुताबिक काम किया है और नाप भी दुरुस्त पाया गया । कुछ लोग फाइनल मेजरमेंट और इनक्वायरी के समय मौजूद थे । उनलोगों ने सर्किल ऑफिसर से कहा कि उनलोगों ने हेडमैन को गांव के नजदीक मिट्टी डालने के लिये कहा था मगर वह राजी नहीं थे । इसलिये कि वह काम स्टीमेट में शामिल नहीं था ।

(घ) जांच हो रही है जैसा कि हमने ऊपर जवाब दे दिया है । इसलिये यह सवाल नहीं उठता ।

श्री महावीर प्रसाद—सवाल था कि क्या किसी उच्च अधिकारी द्वारा सरकार इनक्वायरी करायेगी ? इसका जवाब दिया गया है कि सर्किल ऑफिसर द्वारा इनक्वायरी करायी गयी है । मैं यह जानना चाहता हूं कि एस० डी० ओ० ने खुद इनक्वायरी क्यों नहीं की इसलिये कि सर्किल ऑफिसर के खिलाफ आरोप था और उन्हीं से आपने इनक्वायरी करायी ।

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय—आपके सवाल में यह कहां लिखा हुआ है कि सर्किल ऑफिसर की कोई शिकायत है ।

श्री महावीर प्रसाद—मेरा सवाल यह था कि क्या सरकार इस विषय की उपयुक्त जांच किसी उच्च अधिकारी या एस० डी० ओ० द्वारा करायेगी ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय—इसीलिये हमने सर्किल ऑफिसर के द्वारा जांच करायी ।

MARTYR'S MEMORIAL.

*168. **Shri KAMTA PRASAD GUPTA :** Will the Hon'ble the Minister in charge of the Public Works Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the Government have been considering a plan for more than five years to build a suitable memorial for the martyrs of 1942 who sacrificed themselves by hoisting the national flag on the Patna Secretariat buildings ;

(*b*) if the answer to clase (*a*) be in the affirmative, will Government be pleased to state how many more years will be spent to start the actual construction of Martyrs' Memorial ?

The Hon'ble Shri MUHAMMAD SHAFI : (*a*) The reply is in the affirmative. Government have not only considered a plan for this memorial but have arrived at certain decisions which are being implemented.

(*b*) The construction of Martyrs' Memorial is a work of special nature. Government are anxious that this Memorial should be a beautiful model of art and sculpture. With this object in view an All-India Competition of archi tects and Sculptures was held for arriving at a suitable design and the design has been approved.

This competition took ample time. The architects are busy settling details of the approved model. A sculptor is being appointed to carve out the sculpture portion of this work. He will have to be intently busy on this work for some time. All these will naturally take sufficient time. Improper haste may result in a very unsatisfactory memorial. Government are very keen that decent and properly conceived and designed memorial should be erected and this is unfortunately taking time. Government however will try their best to expedite this construction.

It is expected that about 16 months would be taken to complete the work.

Shri PURUSHOTTAM CHAUHAN : May I enquire from Government whether they would like to lay on the table a blue print of the approved design for the information of the House ?

The Hon'ble Shri MUHAMMAD SHAFI : This will be done if it is so desired by the hon'ble member.

Shri PURUSHOTTAM CHAUHAN : I want to know if Government will lay on the table a blue print of the approved design ?

The Hon'ble the SPEAKER : It is a request for action. If he so wants the hon'ble member may write a letter to the Hon'ble minister and he will take action.

Shri JAGANNATH SINGH : Sir, I want to know what is the estimated cost of the plan approved ?

The Hon'ble Shri MUHAMMAD SHAFI : I want notice of this question.

Shri JAGANNATH SINGH : I want to know if the site of the memorial has been selected finally ?

The Hon'ble Shri MUHAMMAD SHAFI : The site has been selected just east of the Secretariat.

Shri JAGANNATH SINGH : I would like to know whether Government are aware of the fact that there is an overwhelming sentiment in the State for the immediate construction of the martyrs' memorial ?

The Hon'ble MUHAMMAD SHAFI : Government is doing all what is possible.

Shri JAGANNATH SINGH : Do Government realise that there has been improper delay.

The Hon'ble MUHAMMAD SHAFI : No..

पुस्तकालयों में वितरणार्थ पुस्तकों का खरीदा जाना ।

†*१६९ । श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या माननीय मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) राज्य के विभिन्न पुस्तकालयों में वितरणार्थ १९५०-५१ में कितने रुपये की पुस्तकें खरीदी गई थीं और उनकी कुल संख्या कितनी थीं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि १९५०-५१ के लिये जो पुस्तकें खरीदी गयी थीं वे अब तक बांटी नहीं जा सकी हैं ;

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो पुस्तकों के न वितरण करने का क्या कारण है ?

माननीय श्री बदरीनाथ वर्मा—(क) १ लाख रुपये की पुस्तकें खरीदी गयी हैं। इनकी कुल संख्या ५०,०१६ है ।

(ख) जी, हां, कुछ पुस्तकें अभी तक बांटी नहीं गई हैं ।

(ग) कुछ पुस्तकालयों का पता और नाम ठीक-ठीक नहीं रहने से पुस्तकें वापस आ गयीं और कुछ पुस्तकालयों में आपस में झगड़ा रहने से उन्हें पुस्तकें नहीं दी गयीं हैं ।

श्री देवनारायण सिंह—कितने रुपये की पुस्तकें बांटी गयी हैं ?

माननीय श्री बदरीनाथ वर्मा—इसका हिसाब अभी नहीं दिया जा सकता। प्रायः सभी पुस्तकें बांट दी गयी हैं ।

श्री देवनारायण सिंह—कितनी पुस्तकें बांटने के लिए हैं ?

माननीय श्री बदरीनाथ वर्मा—बहुत थोड़ी हैं ।

श्री देवनारायण सिंह—क्या यह बात सही है कि अभी तक एक भी पुस्तक नहीं बांटी गयी है ?

माननीय अध्यक्ष—उत्तर से यह सवाल नहीं उठता है ।

श्री जगन्नाथ सिंह—मैं यह जानना चाहता हूं कि जिन-जिन पुस्तकालयों का नाम और पता ठीक-ठीक मालूम है, उनको पुस्तकें बांटी गयीं हैं या नहीं ?

माननीय श्री बदरीनाथ वर्मा—मैंने जवाब दिया है कि कुछ पुस्तकालयों का नाम पता ठीक-ठीक मालूम नहीं था, इसलिए पुस्तकें लौट आयी हैं और कुछ में आपस में झगड़ा था इसलिये उनको पुस्तकें नहीं दी गई ।

श्री जगन्नाथ सिंह—इन दो वर्गों के अलावे क्या और सब पुस्तकालयों को किताबें मिल चुकी हैं ?

माननीय श्री बदरीनाथ वर्मा—प्रायः सबको मिल गयी है ।

श्री जगन्नाथ सिंह—पुस्तकें बांटने का भार किस पदाधिकारी पर है ?

---

†माननीय सदस्य की अनुपस्थिति में श्री देवनारायण सिंह के अनुरोध पर उत्तर दिया गया ।